और चंगाईयाँ हैं। उन्होंने यह कहा है, ''**जो मुझ में विश्वास करता है, वह स्वंय वे कार्य करेगा, जिन्हें मै करता हूँ। वह उनसे भी महान् कार्य करेगा, क्योंकि मै पिता के पास जा रहा हूँ। तुम मेरा नाम लेकर मुझ से जो कुछ माँगोगे, मै तुम्हें वही प्रदान करूँगा।**''(योहन १४:१२-१३) प्रभु येसु ही हमें सच्ची शान्ति, प्रेम और आनन्द देने वाले हैं। उनके शब्दों में ही अनंत जीवन का संदेश है (योहन ६:६८), जो हमें **पवित्र बाइबिल** से मिलती है जिसमें हम उनके जन्म, अद्भुत कार्यो, दु:खभोग व पुनरूत्थान के विषय में भी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। वे ही हमारे उद्धारकर्ता और रक्षक हैं और वे जगत के अंत तक हमारे साथ रहेंगे।

**'आप पुनर्जीवित प्रभु येसु ख्रीस्त पर विश्वास कीजिए, तो आप को और आपके परिवार को मुक्ति प्राप्त होगी।'** (प्रेरित-चरित १६:३१) क्योंकि

**'समस्त संसार में येसु नाम के सिवा मनुष्यों को कोई दूसरा नाम नही दिया गया है, जिसके द्वारा हमें मुक्ति मिल सकती है।'** (प्रेरित-चरित ४:१२)

1. प्रभु येसु के विषय में अधिक जानकारी पाने के लिये, कृपया इस पते पर संपर्क करें -

**Catholic Enquiry Centre,**
Archbishop House, 1 Ashok Place,
New Delhi –110001
(Ph: 23343457)

**E-mail:** archbish@vsnl.com
**Website:** www.jeevandham.org/jesus.htm

2. यदि आप जीवन की दैनिक समस्याओं से ग्रसित हैं, मानसिक परेशानी से पीड़ित हैं, गंभीर बीमारियों से ग्रसित हैं, चिन्तित हैं, स्वयं पर विश्वास खो बैठे हैं तो आप सभी को प्रभु येसु के जीवन को अधिक जानना चाहिए, उन पर पूर्ण विश्वास कर उनकी शिक्षाओं पर चलना चाहिए। जीवित प्रभु के चमत्कार देखने के लिए, शारीरिक और मानसिक चंगाई प्राप्त कर उनकी शक्ति, प्रेम व शान्ति का अनुभव करने के लिए आप **''जीवन धाम'', संत अन्थोनी स्कूल, सेक्टर - ९, फरीदाबाद (फोन : ०१२९-२२३११२६)** में अवश्य आयें और नि:शुल्क लाभ उठायें। **समय है - रविवार, प्रात: ०९.०० बजे से दोपहर १२.३० बजे तक।**
**Website:** www.jeevandham.org
**E-mail:** justcallanthony@yahoo.com

***प्रभु येसु की कृपा आप सब पर सदा बनी रहे। आपको उनकी आशीष प्रचुर मात्रा में प्राप्त हो। उन्हें अपनाकर आप मुक्ति प्राप्त करें और उनके प्रतिज्ञात अनन्त जीवन के अधिकारी बनें। आमेन।***

# ख्रीस्त-जयंती की शुभकामनाँए

***प्रभु येसु की आशीष लेकर अपने जीवन को धन्य बनाइए।***

शताब्दियाँ गुज़र गईं; कई सम्राट और शासक आये और गये; अनेक शक्तिशाली राजाओं ने राज्य किया; बड़ी-बड़ी सेनाओं ने युद्ध लड़े और लुप्त हो गये; अनेक नेताओं ने भाषण दिये और आन्दोलन शुरू किये। पर उनके जैसे किसी ने भी मानवजाति पर इतना शक्तिशली प्रभाव नहीं छोड़ा। वह और कोई नही, प्रभु येसु हैं। सच कहा जाए तो प्रभु येसु इतिहास के केन्द्र-बिन्दु हैं, क्योंकि प्रभु येसु के जन्म से पहले की घटनाओं को *ईसा पूर्व* की घटनाएं कहा जाता है तथा बाद की घटनाओं को इतिहास में *ईसा वर्ष* के रूप में गिना जाता है; जैसे ईसा वर्ष १९४७ में भारत को ब्रिटिश शासन से स्वतंत्रता मिली थी। उनका जन्म करीब २००० वर्ष पहले बेतलेहम गाँव के एक गौशाले में हुआ था। यह येरूसलेम नगर के पास है।

धर्मग्रंथ के अनुसार प्रभु येसु ख्रीस्त का जन्म पवित्र आत्मा की शक्ति से, कुंवारी मरियम के गर्भ से संभव हुआ। प्रभु येसु ख्रीस्त पूर्ण रूप से मनुष्य है तथा पूर्णरूप से ईश्वर हैं जैसे नबी इसायस ने कहा था, ''**एक कुंवारी गर्भवती होगी और एक पुत्र प्रसव करेगी, वही है इम्मानुएल अर्थात् ईश्वर हमारे साथ है।**'' (इसायस ७:१०)

*प्रभु येसु के जन्म का उद्देश्य क्या है?* देवदूत गाब्रिएल ने संत जोसेफ को आदेश दिया, ''**तुम इस बच्चे का नाम ईसा रखना क्योंकि वह लोगों को उनके पापों से बचाएगा।**''(मत्ती १:१०) प्रभु येसु, ईश्वर के इकलौते पुत्र होने पर भी इस धरती पर अपने पिता की इच्छा को पूर्ण करने अर्थात् अपने जीवन की आहुति द्वारा सम्पूर्ण मानवजाति को पापों से मुक्ति दिला कर उनका उद्धार करने आये थे। इसलिए प्रभु येसु खीस्त सारी दुनिया के सब मनुष्यों को उनके पाप से बचानेवाला है - मुक्तिदाता है। यह **पिता परमेश्वर का संसार से प्रेम ही था जिसके कारण उन्होंने अपने इकलौते पुत्र को अर्पित कर दिया, जिससे जो उस में विश्वास करे, उसका सर्वनाश न हो, बल्कि अनन्त जीवन प्राप्त करे।**''(योहन ३:१६) इसलिए इस शुभ अवसर को सभी जातियों के लोग धूम-धाम से मनाते आ रहे हैं। पूर्व दिशा में चमकते तारे ने ज्योतिषियों को उनके जन्म का संकेत दिया, जो उनके जन्म स्थान पर आकर रूक गया था। इसलिए इस जयंती पर हम गिरजाघरों को व अपने घरों को तारों से सजाते हैं। इस अवसर पर प्रभु येसु ख्रीस्त का यह कथन श्रद्धेय है कि ''**मै संसार की ज्योति हूँ, जो मेरा अनुकरण करता है, वह कभी अंधकार में नही भटकेगा।**'' हम सभी का अनुभव है कि प्रत्येक मनुष्य अपने पापों के बोझ से दबा है और अंधकार की शक्तियों से घिरा हुआ है। मन ही मन सभी लोग एक मुक्तिदाता की खोज में हैं। वह एकमात्र मुक्तिदाता केवल प्रभु येसु ही हैं, जिन्होंने यह कहा, ''**मार्ग, सत्य और जीवन मै हूँ। मुझ से होकर गये बिना कोई पिता** (पिता परमेश्वर) **के पास नही आ सकता।**''(योहन १४:६)

प्रभु येसु ने किसी जाति विशेष का कदाचित समर्थन नहीं किया अपितु वह सभी लोगों की मुक्ति का मार्ग बने तथा सभी को शारीरिक और मानसिक चंगाई प्रदान की। उन्होंने कोढ़ियों को शुद्ध किया, शैतानी शक्तियों से पीड़ित लोगों को मुक्त कराया, अंधों को दृष्टिदान दिया, नाना प्रकार की बीमारियों और कष्टों से पीड़ित सब रोगियों को चंगा किया, मृतकों को जीवन दिया इत्यादि। प्रभु येसु के जीवन का सबसे महत्वपूर्ण चमत्कार है - अपनी मृत्यु के विषय में उनकी भविष्यवाणी और तीसरे दिन उनका जी उठना। इसके अतिरिक्त उन्होंने अपने जीवित होने के प्रमाण अपने चेलों को दिया तथा उन्हें अंतिम आज्ञा दी कि संसार के कोने-कोने में इस सुसमाचार का प्रचार करें, लोगों को शांति दें, प्रभु द्वारा दिये आदेशों का पालन करना उन्हें सिखलायें। यही प्रभु येसु आज हमसे चाहते हैं। सचमुच, प्रभु येसु मृतकों में से जी उठे हैं और आज भी हमारे बीच जीवित एवं कार्यरत हैं जिनका प्रमाण आज भी उनके नाम पर होने वाले अनगिनत अद्‌भुत चमत्कार